आरती जानकी नाथ जी की

जय जानकि नाथा,जय श्री रघुनाथा,
दोउ कर जोरे बिनवौ प्रभु !सुनिये बाता ।।

तुम रघुनाथ हमारे प्रान,पीता-माता।
तुमही सज्जन संगी भक्ति मुक्ति दाता ।।

लख चौरासी काटो मेटो यम त्रासा।
निशदिन प्रभु मोहि राखिए अपने ही पासा ।।

राम भरत लछिमन संग शत्रुघन भैया ।
जग जग ज्योति विराजै सोभाअतितिलहिया ।।

हनुमत नाद बजावत, नेवर झम काता।
स्वर्णथाल पर आरती कौसल्या माता ।।

सुभगमुकट सिर,धनु सर करसोभाभारी ।
मनीराम दर्शन करि पल पल बलिहारी ।।

आरती राम दरबार की

आरती करत कौसल्या मैया ।।

कंचन थाल बारि घृत-बाती, जुगल अंगन की लेत बलैया ।
रतन सिंहासन सुखद सुहावन, राजें दम्पत्ति चारों भैया ।।

चमर मोरछल करत पवनसुत, जय-जय बोलत मनहरषैया ।
सरस माधुरी सियाराम की, बांकी झांकी हृदय धरैया ।।

विवरण

जो जानकी के नाथ (स्वामी) हैं, और श्री रघुनाथ हैं उनकी जय हो । दोनों हाथ जोड़कर हम आपसे विनती कर रहें हैं, आप हमारे बात को सुनिए । आप ही हमारे प्राणों के स्वामी हो तथा हमारे माता एवं पिता भी आप ही हो ।

आप ही हमारे साथी एवं सज्जन भी हो तथा हमें अपनी भक्ति एवं मुक्ति को देने वाले भी आप हो । मनुष्य के चौरासी लाख योनियों के कष्ट को काट कर यमराज के भय को दूर कीजिए । हे प्रभु ! आप मुझे नित्य अपने पास ही रखिएगा ।

आप भरत जी, लक्षमण जी एवं शत्रुघन के भैया है । सम्पूर्ण जग में आपकी ज्योति विराजमान है जो बड़े ही सुन्दर ढंग से शोभा बिखेरती रहती है । हनुमान जी आप पर न्योछावर होकर शंख नाद बजा रहे हैं एवं हाथों में सोने की आरती की थाल लिए माता कौसल्या आपकी आरती उतार रही हैं ।

आपके सिर पर सुन्दर मुकुट एवं आपके, हाथों मे सुसज्जित धनुष एवं बाण से आपके हाथों की शोभा और भी बढ़ रही है,मनीराम जी कह रहे हैं कि आपके इस दर्शन से हम हरपल आप पर बलिहारी जाते हैं ।

आरती राम दरबार की

कौशल्या माता आरती कर रही हैं । सोने की थाल में घी की बाती जलाकर जुगल (सीताराम जी) के अंगों की बलैया ले रही हैं । रत्नों से जड़ित सुख को देने वाला एवं सुहावने सिंहासन पर चारों दम्पति विराज रहे हैं । पवन सुत हनुमान इन्हे मोरछल चँवर डुला रहे हैं तथा सभी लोग आनन्दित मन से इनकी जय - जयकार बोल रहे हैं । सीताराम जी की मधुर एवं सरस लगने वाली सुन्दर झाँकी इस हृदय में बैठ गई है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.